Drishti IAS

प्रेस विज्ञप्ति

तिथि : 24 सितंबर, 2024

श्री दीपक कुमार मीणा के असामयिक निधन से जुड़े तथ्य

हम सिविल सेवा परीक्षा के अभ्यर्थी श्री दीपक कुमार मीणा के असामयिक निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हमारी प्रार्थना है कि शोक-संतप्त परिवार को यह पीड़ा सहने की ताकत मिले!

पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये हम इस प्रसंग से जुड़े प्रमुख तथ्य प्रकाशित करना चाहते हैं जो कि निम्नलिखित हैं :

1. श्री दीपक कुमार मीणा मुख्य परीक्षा 2024 की तैयारी के लिये 10 जुलाई, 2024 से हमारे साथ जुड़े थे।
2. श्री दीपक 10 सितंबर तक लाइब्रेरी में आकर पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने तैयारी के लिये बहुत प्रभावशाली नोट्स बनाए थे। जुलाई और अगस्त में उन्होंने कई टेस्ट दिये थे और उन्हें प्रत्येक टेस्ट में अच्छे अंक मिले थे। पहला प्रयास होने के बावजूद उनकी तैयारी काफी अच्छी चल रही थी। बहुत संभावना थी कि उनका चयन पहले ही प्रयास में हो जाएगा। उन्हें भी खुद पर इतना भरोसा था।
3. 11 सितंबर की सुबह वे अपने पीजी के साथियों के साथ लाइब्रेरी नहीं आए। दोस्तों ने पूछा तो उन्होंने कहा कि वे बाद में आएंगे लेकिन उसके बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ।
4. 13 सितंबर को दीपक के रूम-मेट ने हमारी टीम को बताया कि दीपक 11 तारीख से पीजी नहीं लौटे हैं और फोन भी नहीं उठा रहे हैं। सूचना मिलते ही हमारी टीम कोऑर्डिनेटर ने दीपक के नंबर पर कई बार फोन किया किंतु फोन नहीं उठा। इसके तुरंत बाद हमारी टीम द्वारा दीपक के परिवार को सूचना दी गई। वे भी इस बात से परेशान थे कि दो दिनों से दीपक से संपर्क नहीं हो पा रहा है।
5. अगले दिन (14 सितंबर को) श्री दीपक के परिवार-जन दिल्ली आए और उनके द्वारा पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। इस समय तक दीपक का फोन स्विच ऑफ हो चुका था।
6. 14 सितंबर से इस मामले की जाँच दिल्ली पुलिस के हाथ में है। 15 सितंबर को श्री दीपक के परिवार की उपस्थिति में हमारी टीम ने पुलिस को लाइब्रेरी की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई। दीपक के मित्रों व परिचितों से भी पूछताछ की गई। आसपास के कई अन्य स्थानों से भी जाँच अधिकारियों ने फुटेज एकत्रित की, पर सभी प्रयासों के बाद भी कोई ठोस सुराग नहीं मिला।
7. आखिरी उम्मीद यह थी कि 20 सितंबर को शुरू होने वाली मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिये दीपक अपने परीक्षा केंद्र पर पहुँचेंगे। पुलिस की टीम और परिवार के सदस्य वहाँ मौजूद थे पर दीपक वहाँ नहीं पहुँचे। उसके बाद पुलिस टीम ने उनके फोन की आखिरी लोकेशन के आधार पर नज़दीकी इलाकों में सघन खोज की तो मुखर्जी नगर से सटे दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रावास के अंदर झाड़ियों में उनका शव मिला।
8. श्री दीपक कुमार मीणा ने कभी भी किसी तरह के तनाव या दबाव की शिकायत अपने मेंटर्स से नहीं की। उनके मेंटर्स और मित्रों की राय में वे एक विनम्र और अंतर्मुखी विद्यार्थी थे। किसी के साथ उनका विवाद या झगड़ा होने की संभावना नहीं के बराबर थी।
9. हमारे प्रबंध निदेशक विकास सर सहित हमारी टीम के कई सदस्य लगातार दिल्ली पुलिस के संपर्क में हैं। हम पोस्टमार्टम की प्रामाणिक रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हैं। इस मामले में जितना भी अपेक्षित होगा, हम दिल्ली पुलिस की मदद करेंगे।

विवेक तिवारी,
डिप्टी सीईओ
दृष्टि समूह